खंड-'क'

1. (क) आजकल दूरदर्शन के धारावाहिक निम्न स्तर के होते हैं। उनमें अश्लीलता, अनास्था, फ़ैशन तथा नैतिक बुराइयाँ ही अधिक देखने को मिलती हैं।

(ख) दूरदर्शन का दुष्प्रभाव बच्चों पर अधिक पड़ता है। बच्चे मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होते और इस उम्र में शीघ्र बुराइयों को अपना लेते हैं।

(ग) समय की बर्बादी, मानसिक विकास रुक जाना, आत्मसीमितता, जड़ता, पंगुता, अकेलापन आदि।

(घ) बाल्य + अवस्था

(ङ) दूरदर्शन का दुष्प्रभाव या कोई अन्य उपयुक्त शीर्षक

2. (क) जब कोलाहल हो या सन्नाटा हो, कविता सृजन करती है। जब मन में कई तरह के विचार आ रहे हों, मन अशांत हो; या उदास और अकेला हो।

(ख) अन्याय और अत्याचार रूपी अंधकार बढ़ता है तो कविता उससे मुकाबला करने की शक्ति, ऊर्जा, आशा की किरण देती है।

(ग) जब मनुष्य की चेतना सो जाती है, वह अन्याय के विरुद्ध आवाज नहीं उठा पाता।

(घ) 'अपने भी हो गए पराए'

(ङ) जब लोग कर्मठता से विमुख होने लगते हैं तब कविता उन्हें जीना सिखाती है।

अथवा

(क) बीती बातों पर दुख नहीं मनाना चाहिए। बीते अनुभवों को भूलकर आगे बढ़ना चाहिए।

(ख) जीवन में किसी प्रिय के बिछुड़ने / मृत्यु होने पर ;
उससे प्रेरणा / ढाँढ़स पाने के लिए।
आकाश अपने सितारों के टूटने पर जिस प्रकार शोक से परे शांत रहता है, सीखने के लिए।

(ग) 'सूखे फूल' - प्रिय जनों की मृत्यु, 'मधुबन' - संसार

(घ) आकाश

(ङ) जो सबसे प्रिय हो

खंड 'ख'

3. (क) मैंने उस व्यक्ति को देखा और वह पीड़ा से कराह रहा था।

(ख) परिश्रमी व्यक्ति अवश्य सफल होता है।

(ग) प्रधान / मुख्य उपवाक्य

(घ) कश्मीरी गेट में जो निकल्सन कब्रगाह है, वहाँ उनका ताबूत उतारा गया। /
उनका ताबूत निकल्सन कब्रगाह में उतारा गया जो कश्मीरी गेट में है।

4. (क) बालगोबिन भगत के द्वारा प्रभातियाँ गाई जाती थीं।

(ख) बीमारी के कारण उससे यहाँ न आया गया।

(ग) माँ ने बचपन में ही घोषित कर दिया था।

(घ) अवनि द्वारा चाय बनाई जा रही है।

(ङ) घायल हंस से उड़ा न गया/ उड़ा न जा सका।

5. (क) पढ़ती है - सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य

(ख) यहाँ - स्थानवाचक क्रिया विशेषण, 'आया था' क्रिया की विशेषता

(ग) वे - अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

(घ) परिश्रमी- गुणवाचक, विशेषण, विशेष्य-अंकिता, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ङ) रवि - व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

6. (क) 'करुण रस' के उपयुक्त उदाहरण पर उचित अंक प्रदान किए जाएँ।

(ख) हास्य रस

(ग) वीर रस

(घ) वात्सल्य / वत्सल

(ङ) संयोग शृंगार और वियोग शृंगार

खंड-'ग'

7. (क) - डरते-डरते खाँ साहब से कहा - आप फटी तहमद न पहना करो;
- आपको भारत रत्न मिला है, आपकी प्रतिष्ठा है, अच्छा नहीं लगता है।
(ख) - भारत रत्न उन्हें शहनाई पर मिला है न कि लुंगी पर
- बनाव-भृंगार पर ध्यान देने की बजाय कला को निखारने पर ध्यान देना चाहिए।
(ग) सहज, सरल-सादा स्वभाव, निरभिमान / शहनाई को सर्वोपरि मानने का भाव

8. (क) जिस प्रकार यज की अग्नि की गरमाहट उसके बुझ जाने के बाद भी बनी रहती है उसी प्रकार फ़ादर कामिल बुल्के के करुणामय व्यवहार की ऊष्मा मन में सदैव बची रहेगी।

(ख) पिता स्त्रियों की आज़ादी के मामले में संकुचित विचारों के थे पर मन्नू जी ऐसी नहीं थीं।
पिता को पढ़ने-लिखने की स्वतंत्रता स्वीकार्य थी पर राजनीतिक आंदोलनों में भाग लेना पसंद नहीं था। मन्नू भंडारी यह सब करना सही मानती थीं।
(ग) बच्चों के मन में देशप्रेम, देशभक्ति के बीज अंकुरित होना, शहीदों और देशभक्तों के प्रति आदर, सम्मान
(घ) - अधिक प्यार देना, ज़्यादा ध्यान रखना;
- ऐसे लोग निगरानी और मुहब्बत के ज़्यादा हकदार होते हैं।
(ङ) -अधिक दूरी की यात्रा नहीं होने के कारण
- भीड़ से बचने के लिए
- एकांत में नई कहानी के बारे में सोचने के लिए
- खिड़की से प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेने के लिए (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)

9. (क) हर सुख के पीछे एक दुख भी छिपा रहता है। जीवन में सुख और दुख आते-जाते हैं।
(ख) सुखद भविष्य के लिए यथार्थ / कठिन वर्तमान / वास्तविकता का सामना करना जरूरी है। वर्तमान में जीना चाहिए।
(ग) झूठे आकर्षणों के पीछे भ्रमित होना।

10. (क) - मुख्य गायक के महत्व / गरिमा को बनाए रखना ;
- मुख्य गायक के स्वर से अपना स्वर ऊँचा नहीं रखना
(ख) प्रकृति के कण-कण में सुंदरता, जगह-जगह पर रंग-बिरंगे फूल और सुगंधित वातावरण
चारों ओर हरियाली, जन-जन का मन प्रफ़ल्लित हो जाना
(ग) - बाल ब्रह्मचारी
- क्षत्रिय कुल के द्रोही
- अत्यंत क्रोधी
- करुणा से रहित
- सहस्रबाहु का वध करने वाले
- बार-बार फरसे का भय दिखाने वाले (किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)

(घ) स्वयं करे
(ङ) मुस्कराते समय बच्चों के छोटे-छोटे दाँत दिखते हैं;
- कवि पुलकित हो उठता है।
- वात्सल्य जाग उठता है।
- मन में तरह-तरह की कल्पनाएँ आती हैं।

11. (किसी एक विकल्प का उत्तर अपेक्षित)
- मानसिक / औपनिवेशिक गुलामी
- चाटुकारिता
- दिखावा
- नौकरशाही में टालने की प्रवृत्ति
- गैर ज़िम्मेदारी
- पत्रकारिता में कर्तव्यबोध का अभाव। (किन्हीं चार बिंदुओं का विस्तार अपेक्षित)

अथवा

- परिवार से दूर रहना
- प्रकृति के प्रकोप, कड़कड़ाती ठंड, तूफानों के बीच जान हथेल पर रखकर दुश्मन की गोलियों का सामना करना
- देश रक्षा में तत्पर, स्नेह और सम्मान, देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा

अथवा

मूर्ति पर नाक का न होना, सम्मान का प्रश्न, रानी का भारत दौरा; गुलाम मानसिकता, झुठी शान, प्रतिष्ठा, नाक के बहाने से सरकारी तौर-तरीकों पर सवाल

खंड-'घ'

12. स्वयं करे

13. स्वयं करे

14. स्वयं करे